हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 28 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 19 नवंबर से 25 नवंबर 2021

मुंबई एनसीबी बड़ी कार्रवाई

महाराष्ट्र के नांदेड में 1.1 टन गांजा पकड़ा

जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने जानकारी दी

मुंबईः मुंबई एनसीबी ने सोमवार को सुबह नांदेड़ जिले में 1127 किलोग्राम ड्रग्स (गांजा) की खेप जब्त की। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने इस मामले की जानकारी देते हुए कहा कि इसे आंध्र प्रदेश से महाराष्ट्र लाया जा रहा था। दो लोगों को पकड़ा गया है जिनको कोर्ट में पेश किया जाएगा।

वहीं दूसरी ओर अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन से जुड़े क्रूज ड्रग्स केस मामले में वसूली के आरोपों की जांच कर रहे एनसीबी की एसईटी ने अभी तक 12 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए हैं। एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह की मानें तो कुछ महत्वपूर्ण गवाहों के बयान अभी दर्ज किए जानें हैं। एसआइटी एनसीबी के मंडल निदेशक समीर वानखेड़े का बयान दर्ज कर चुकी है। यही नहीं आर्यन खान का बयान भी लिया जा चुका है।

समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक एनसीबी के अधिकारियों पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाने वाले प्रभाकर सैल ने भी हाल ही में अपना बयान दर्ज कराया था।हाल ही में एनसीबी ने मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में राकांपा नेता नवाब मलिक के दामाद समीर खान और दो अन्य आरोपियों की आवाज के नमूने लेने की अनुमति मांगने के लिए मुंबई की एक विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। समीर खान एवं दो अन्य को जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। विशेष लोक अभियोजक की ओर से अदालत को बताया गया था कि मामले में नए तथ्य सामने आए हैं इसलिए आरोपियों के आवाज के नमूने लिए जाने जरूरी हैं। एनसीबी का दावा था कि आरोपियों ने 194.6 किलो गांजा खरीदने और बेचने की साजिश रची थी। अदालत ने सितंबर में समीर एवं अन्य की जमानत मंजूर कर ली थी।

मुंबई की हवा दिल्ली से भी जहरीली? खतरनाक स्तर तक पहुंचा प्रदूषण

मुंबईः में प्रदूषण बढ़ा राजधानी दिल्ली सहित देश के उत्तरी राज्यों में बढ़ते हुए प्रदूषण का मुद्दा गरमाया हुआ है. यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है. लेकिन एक बेहद जरूरी जानकारी यह सामने आई है कि सोमवार को मुंबई की हवा दिल्ली से भी ज्यादा जहरीली थी. समुद्र से आने वाली हवाएं, हवाओं की रफ़्तार का मंद पड़ना और ढेर सारे वाहनों के चलने का अंजाम यह हुआ कि दक्षिणी मुंबई की हवा दिल्ली से भी अधिक जहरीली हो गई. सोमवार को दक्षिण मुंबई में एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 345 अंक तक जा पहुंचा. जबकि दिल्ली में सोमवार को वायु की गुणवत्ता का निर्देशांक 331 था.

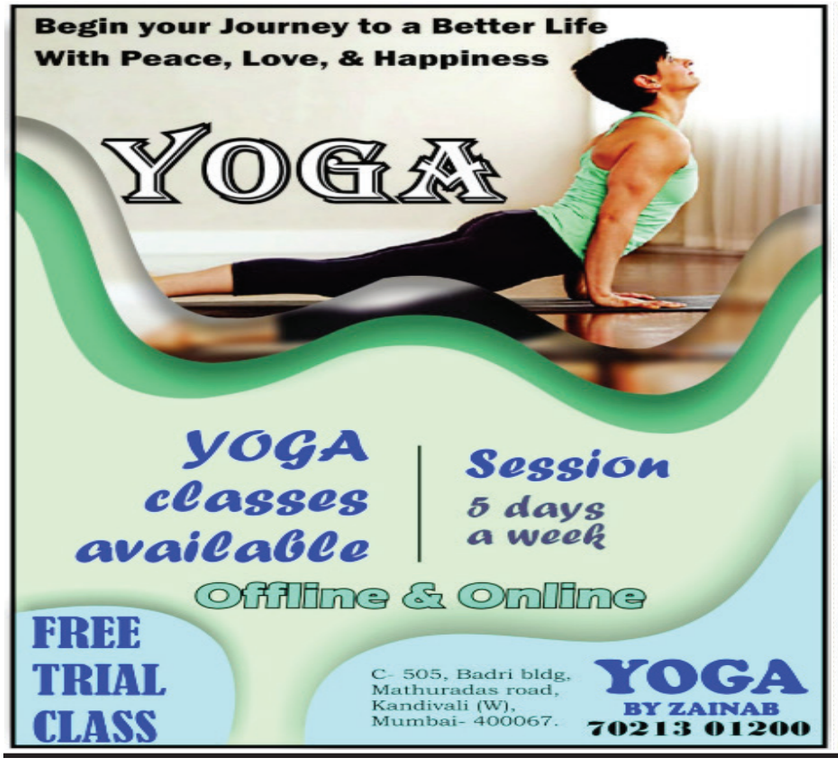

बीजेपी पर भड़के संजय राउत, बोले- देश दंगे कौन करवाता है यह सब जानते हैं

मुंबईः शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने कुछ दिन पहले दशहरा रैली में कहा था कि देश को सबसे ज्यादा नकली हिंदुओं से खतरा है। जब भी चुनाव नजदीक आता है, तब देश में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर दंगा करवाया जाता है। चुनाव नजदीक आते ही भारत और पाकिस्तान के झगड़े निकाल लिए जाते हैं। चुनाव के लिए सबकुछ संजय राउत ने कहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए किसी भी स्तर पर जाने को तैयार रहती है। उनका सिर्फ एकमात्र मकसद होता है कि चुनाव किसी भी तरह से जीता जाए। चुनाव से पहले माहौल कौन खराब करता है,कौन दंगे करवाता है? इस बात से हर कोई भलीभांति वाकिफ है।कंगना पर पलटवार संजय राउत ने कंगना रनौत को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, ह्यहमने भी हाल में देखा है कि चीन ने किस तरह से हमारे गाल पर थप्पड़ मारा है। चीनी सैनिक अंदर घुस गए हैं और हम दूसरा गाल भी आगे कर रहे हैं। चीन की सेना लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में दाखिल हो चुकी है। कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार शुरू है। क्या यह सब कंगना रनौत को दिखाई नहीं पड़ता?महात्मा गांधी एक नायक थे संजय राउत ने कहा कि कंगना रनौत को यह मालूम होना चाहिए कि महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे। वह न सिर्फ भारत बल्कि विश्व के नायक थे। यह बात अलग है कि कुछ विचारों पर हमारे मतभेद जरूर हो सकते हैं। बालासाहेब ठाकरे ने भी कई बातों पर गांधी जी के विचारों पर ऐतराज जताया था। कंगना ने क्या कहा कंगना रनौत ने मंगलवार को एक नए विवाद को जन्म दिया। उन्होंने दावा किया कि सुभाष चंद्र बोस और भगत सिंह को महात्मा गांधी की तरफ से कोई समर्थन नहीं मिला था। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसा के मंत्र का मजाक उड़ाते हुए कहा कि दूसरा गाल आगे करने से ह्यभीखह्ण मिलती है ना की आजादी। आपको बता दें कि कंगना ने पिछले सप्ताह यह कहा था कि 1947 में भारत को आजादी नहीं बल्कि भीख मिली थी। जबकि असली स्वतंत्रता साल 2014 में मिली, जब नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में आई।

नसीम खान ने कंगना रनौत के खिलाफ दर्ज करवाई FIR, कानूनी कार्रवाई की तैयारी में महाराष्ट्र कांग्रेस

मुंबईः महाराष्ट्र कांग्रेस फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस पदाधिकारी और पूर्व मंत्री नसीम खान ने कंगना रनौत के खिलाफ पुलिस स्टेशन में मुकदमा भी दर्ज करवाया है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के बारे में आपत्तिजनक बयान देने वाली कंगना और उनका समर्थन करने वाले लोगों को देश की जनता माफ नहीं करेगी।पद्मश्री वापस लिया जाए

नाना पटोले ने यह मांग की है कि कंगना रनौत को दिया गया पद्मश्री सम्मान उनसे वापस लिया जाना चाहिए। साथ ही कंगना रनौत ने महात्मा गांधी को लेकर जो विवादित बयान दिया है उस पर बीजेपी को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए।

क्या वह भी कंगना के बयान का समर्थन करती है या फिर विरोध इसका भी खुलासा होना बहुत जरूरी है।

पटोले ने कहा कि कंगना में जो विवादित बयान दिया है। यह एक तरह का राष्ट्रद्रोह है और उन पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए।कंगना ने क्या कहाकंगना रनौत ने मंगलवार को एक नए विवाद को जन्म दिया। उन्होंने दावा किया कि सुभाष चंद्र बोस और भगत सिंह को महात्मा गांधी की तरफ से कोई समर्थन नहीं मिला था। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसा के मंत्र का मजाक उड़ाते हुए कहा कि दूसरा गाल आगे करने से भीख मिलती है ना की आजादी।

आपको बता दें कि कंगना ने पिछले सप्ताह यह कहा था कि 1947 में भारत को आजादी नहीं बल्कि भीख मिली थी।

जबकि असली स्वतंत्रता साल 2014 में मिली, जब नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में आई।

महाराष्ट्र में दूसरे दिन भी बवाल, गृह मंत्रालय बोला- त्रिपुरा में कोई मस्जिद नहीं हुई क्षतिग्रस्त

मुंबईः महाराष्ट्र में त्रिपुरा में कथित सांप्रदायिक दंगों को लेकर तनाव का माहौल है। मुस्लिम संगठनों ने राज्य के कई शहरों में शुक्रवार को बंद बुलाया था। इसके बाद अमरावती,नांदेड और मालेगांव में हिंसा भड़क गई। अमरावती में शनिवार को फिर बवाल हुआ है। इस बीच गृह मंत्रालय ने त्रिपुरा मामले को लेकर बयान दिया है। मंत्रालय ने कहा कि त्रिपुरा के गोमती जिले में एक मस्जिद के क्षतिग्रस्त होने और तोड़फोड़ के बारे में सोशल मीडिया में प्रसारित खबरें फर्जी हैं। तथ्यों को पूरी तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। लोग शांति बनाए रखें और ऐसी खबरों से गुमराह न हों।मंत्रालय ने आगे कहा कि हाल के दिनों में त्रिपुरा में किसी मस्जिद के ढांचे के क्षतिग्रस्त होने का कोई मामला सामने नहीं आया है और न ही किसी व्यक्ति को मामूली या गंभीर चोट लगने,दुष्कर्म या मृत्यु की कोई रिपोर्ट है, जैसा कि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र में त्रिपुरा को लेकर फर्जी खबरों के आधार पर हिंसा और आपत्तिजनक बयानों की खबरें आई हैं जिनका उद्देश्य शांति और सद्भाव को बिगाड़ना है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की मुश्किलें बढ़ती ही जा रहीं हैं। ताजा मिली जानकारी के अनुसार अनिल देशमुख को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि अनिल देशमुख ने जेल में घर से खाना मंगवाने के लिए आवेदन किया था, इस पर अदालत का कहना था कि आप पहले जेल का खाना खाकर देखिये अगर सही नहीं रहा तो इस पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अनिल देशमुख ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए बेड की व्यवस्था करने की मांग की थी हालांकि अदालत ने उनकी ये मांग मान ली है।गौरतलब है कि

अनिल देशमुख की ईडी की हिरासत आज ही खत्म हुई थी। इससे पहले पीएमएलए कोर्ट ने ईडी की हिरासत तीन दिन और बढ़ा दी थी। ऐसा कहा जा रहा है कि कि ईडी देशमुख को हिरासत में रखकर उनका सामना सचिन वाझे से करवाना चाह रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विशेष अधिवक्ता श्रीराम सिरसाट ने बीते शुक्रवार को पीएमएलए कोर्ट में बताया था कि मुंबई पुलिस के बर्खास्त एपीआइ सचिन वाझे 100 करोड़ वसूली मामले में मुंबई पुलिस की हिरासत में है। ईडी ने उसे अपनी हिरासत में लेने के लिए आवेदन किया हुआ है। ईडी वाझे और अनिल देशमुख को आमने - सामने बिठाकर पूछताछ करना चाहती है। दरअसल देशमुख कई सवालों का गोलमोल जवाब दे रहे हैं।इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर सचिन वाझे को माना जा रहा है। ज्ञात हो कि पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाझे को अपने घर में बुलाकर मुंबई के बार और रेस्टोरेंट से हर माह 100 करोड़ रुपये की वसूली करने के लिए कहा था।

मुंबई में भीषण आग की एक और घटना

मुंबईः आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई के मानखुर्द इलाके में स्थित एक कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई है. शुक्रवार को हुए इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. इस बात की जानकारी फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी ने दी है. हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी. फिलहाल, आग को नियंत्रित करने का काम जारी है.समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दमकल के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि घटना देर रात हुई. उन्होंने कहा, ह्यहमें आग की जानकारी रात करीब 3 बजे मिली. 12 फायर इंजन, 10 टैंकरों के साथ 150 दमकलकर्मी आग बुझाने के काम के लिए तैनात किए गए हैं. किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

वसूली कांड में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को भगोड़ा घोषित करने पर अदालत ने लगाई मुहर

मुंबई। स्थानीय अदालत ने बुधवार को जबरन वसूली मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को भगोड़ा घोषित कर दिया है। परमबीर को 30 दिनों के भीतर कोर्ट में हाजिर होने का मौका दिया गया है। अगर वह समय पर हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। परमबीर कई महीनों से लापता है और मुंबई पुलिस ने उन्हें भगोड़ा घोषित करने के लिए अदालत में याचिका दायर की थी।याचिका को स्वीकार करते हुए अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एसबी भजपले ने परमबीर के खिलाफ आदेश जारी किया है। इससे पहले, मुंबई और ठाणे की अदालतों ने भी परमबीर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। परमबीर के अलावा, पुलिस ने इसी मामले में दो अन्य आरोपित पुलिसकर्मियों रियाज भाटी और विनय उर्फ बबलू सिंह को भी भगोड़ा घोषित करने की मांग की हुई है।तीनों के खिलाफ मुंबई के होटल व्यवसायी बिमल अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पूर्व सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाझे भी आरोपित है। अग्रवाल ने आरोप लगाया था कि आरोपितों ने दो बार और एक रेस्तरां पर छापेमारी नहीं करने के लिए उनसे 11 लाख रुपये की वसूली की। उन्होंने दावा किया था कि ये घटनाएं जनवरी 2020 और मार्च 2021 के बीच हुई थी। सरकारी वकील की मानें तो अदालत के इस फैसले से जांच एजेंसियों को परमबीर सिंह को तलाशने में मदद मिलेगी।उल्लेखनीय है कि मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत भी मरीन ड्राइव थाने में दर्ज रंगदारी के एक मामले में मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर चुकी है। अन्य अदालतों ने भी मुंबई के गोरेगांव और ठाणे जिले में दर्ज रंगदारी के दो अन्य मामलों में गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं।

महाराष्ट्र के बीड में नाबालिग से 6 महीने में 400 लोगों ने किया रेप, 3 गिरफ्तार

मुंबईः नौकरी का लालच देकर नाबालिग विवाहिता के साथ पिछले छह महीनों में 400 बार बलात्कार किए जाने की दिल दहला देने वाली घटना सामने आने के बाद अब महाराष्ट्र पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता दो माह की गर्भवती है. बीड के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजा रामासामी ने बताया कि पीड़िता की ओर से दर्ज की गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने बाल विवाह अधिनियम, बलात्कार, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. न्यूज18 लोकमत (मराठी) में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के बीड जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर 6 महीने के अंतराल में 400 अलग-अलग लोगों ने बलात्कार किया है. इनमें एक पुलिसकर्मी भी शामिल है. नाबालिग लड़की अब गर्भवती हो गई है. उसके साथ बलात्कार की यह घटना उस वक्त सामने आई है जब डोंबिवली में कुछ सप्ताह पहले 33 लड़कों ने नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया था. ठाणे जिले में सामूहिक बलात्कार की इस घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है. बलात्कार के इस नए मामले में लोकमत में छपी रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित नाबालिग लड़की की मां की 2 साल पहले मौत हो गई थी. जिसके बाद पिता ने उसकी शादी कर दी थी. ससुराल में करीब एक साल रहने के बाद, वह घर लौट आई. आरोप है कि ससुर ने भी उसके साथ ज्यादती की थी. कुछ दिनों बाद वह नौकरी की तलाश में अंबेजोगाई टाउन गई. लोकमत की खबर के अनुसार, अंबेजोगाई में नौकरी दिलाने का वादा करके दो लोगों ने नाबालिग लड़की के साथ यौन दुराचार किया. इसके बाद उसके साथ 100 अन्य लोगों ने भी इससे पहले, एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया था कि डोंबिवली के अलग-अलग इलाकों में उसके साथ 29 जनवरी से 22 सितंबर के बीच करीब 33 युवकों ने बलात्कार किया था.

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

पटरी पर लौट रही देश की अर्थव्यवस्था

संजय गुप्त। अक्टूबर माह के जीएसटी संग्रह ने यह साबित कर दिया कि कोविड से प्रभावित भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.30 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रहा। यह पिछले अक्टूबर के मुकाबले 24 प्रतिशत ज्यादा रहा। चूंकि जीएसटी के दायरे के बाहर भी अर्थव्यवस्था के तमाम पहलू हैं और यदि उन्हें भी देखा जाए तो आर्थिक प्रगति में सुधार साफ दिखेगा। जीएसटी संग्रह में वृद्धि तब देखने को मिली, जब आटोमोबाइल सरीखे कई सेक्टर अपेक्षित प्रगति नहीं कर रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था में आटोमोबाइल उद्योग का एक बड़ा योगदान है, लेकिन चिप और कुछ अन्य आयातित उत्पादों की कमी के कारण वाहनों का उत्पादन धीमा है। इसका कुछ न कुछ असर जीएसटी संग्रह पर अवश्य पड़ा होगा। अभी टूरिज्म, रेस्त्रां, होटल और एविएशन इंडस्ट्री भी पूरी तरह पटरी पर नहीं आई है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन ठहरा हुआ सा है और इस कारण विदेशी पर्यटक बहुत कम संख्या में भारत आ रहे हैं। घरेलू पर्यटन ने अवश्य तेजी पकड़ ली है, लेकिन तमाम एयरलाइंस पूरी क्षमता से नहीं चल रही हैं। इसी तरह दिल्ली सहित कुछ बड़े शहरों में जमीन-जायदाद का कारोबार तो ढर्रे पर आता दिख रहा है, लेकिन छोटे-मझोले शहरों में अभी ऐसा नहीं हो रहा है।अपने देश की एक बहुत बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है और इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल से ही किसानों को सीधे उनके खाते में किसान सम्मान निधि समेत तमाम तरह के अनुदान देने का जो सिलसिला कायम किया, उसका असर भी अब दिखने लगा है। सीधे खाते में धन देने की व्यवस्था से किसानों के साथ गरीबों को भी राहत मिली है। इसके बाद भी किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य अभी दूर है। जीएसटी संग्रह को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने लगातार महंगे हो रहे पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया। इसके बाद भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सरकारों ने इन पेट्रोलियम उत्पादों पर वैट घटाया। इससे लोगों को राहत मिली। पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों पर राजनीति करने वाले कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारों ने प्रारंभ में पेट्रोल और डीजल पर से वैट कम करने में आनाकानी की, लेकिन चौतरफा आलोचना के बाद उन्होंने ऐसा करना शुरू कर दिया है। कुछ राज्य सरकारें अभी भी ऐसा करने से बच रही हैं।

जो बाइडन और शी जिनपिंग में बात तो हुई

लेकिन क्या संबंधों में सुधार दिखेगा?

दुनिया के दो सबसे धनी और ताकतवर देशों के राष्ट्रपति मंगलवार को मिले, आमने-सामने प्रत्यक्ष रूप में नहीं, बल्कि वर्चुअली. वाशिंगटन में तब सोमवार शाम के पौने आठ बजे थे और बीजिंग में मंगलवार सुबह के पौने नौ. दोनों ने एक दूसरे को देखकर हाथ हिलाकर अभिवादन किया. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के राष्टपति शी जिनपिंग से मुखातिब होते हुए कहा कि हमने विगत में बहुत सारा समय एक दूसरे से बात करते हुए बिताया है और मेरी आशा है कि आज शाम भी हम बेबाक बातचीत कर पाएंगे. शी ने जवाब में दोस्ताना स्वर में कहा कि ये सामने बैठकर बात करने जैसा तो नहीं है, लेकिन मुझे अपने पुराने दोस्त से मिलकर बहुत खुशी हुई है. बस मीठी-मीठी बातें यहीं तक हुईं. इसके बाद का विचार-विमर्श एक स्वस्थ बहस तो कहा जा सकता है, लेकिन ऐसी बहस जिससे दोनों देशों के बीच का गतिरोध टूटा हो, ऐसा बिल्कुल नहीं कहा जा सकता. अमेरिका चीन संबंध अभी इतने खराब हैं कि अमेरिकी अधिकारी साफ कहते हैं कि चीन के साथ रिश्तों को मैनेज करना राष्ट्रपति बाइडन की विदेश नीति का सबसे बड़ा लक्ष्य है. शुरू से ही दोनों नेताओं के बीच बातचीत जहां विवादित मुद्दों पर पहुंची, तो दोनों पक्ष अपने अपने जाने पहचाने स्टैंड पर अडिग खड़े दिखाई दिए. ताइवान के सवाल पर शी ने बाइडन को आगाह किया कि अगर ताइवान ने किसी भी तरह से अपनी स्वाधीनता की तरफ कदम बढ़ने की कोशिश की, तो यह चीन के लिए उस लाल लकीर को लांघने सरीखा होगा जो चीन ने कार्रवाई करने के लिए खींच रखी है. सिर्फ इतना ही नहीं, चीन की

सरकारी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति शी ने राष्ट्रपति बाइडन को साफ बता दिया कि अगर अमेरिका ताइवान की स्वतंत्रता को हवा देता है, तो वह अपने हाथ जला बैठेगा.जवाब में राष्ट्रपति बाइडन ने शी को आश्वस्त किया कि अमेरिका अभी भी अपनी डल्ली पॉलिसी पर कायम है, जिसके अनुसार वह सिर्फ एक सार्वभौमिक चीन देश को मान्यता देता है. लेकिन साथ ही बाइडन ने भी साफ कर दिया कि अमेरिका ताइवान स्ट्रेट में यथास्थिति और शांति और स्थायित्व को कमजोर करने वाली किसी भी हरकत का पुरजोर विरोध करेगा.विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका का बयान ताइवान को यह समझाने के लिए दिया गया है कि वह अपनी स्वतंत्रता घोषित न करे, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी संदेश चीन के लिए था, कि वह ताइवान पर हमला करने का विचार छोड़ दे. राष्ट्रपति बाइडन ने शी से कहा कि यह दोनों देशों की जिम्मेदारी है कि उनकी प्रतिस्पर्धा खुले संघर्ष में न बदल जाए. वर्चुअल शिखर मीटिंग के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने भी बताया कि दोनों नेताओं के मिलने का खास मकसद दोनों देशों के बीच तनाव कम करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि अमेरिका और चीन के बीच की स्पर्धा को ठीक से मैनेज किया जा सके, क्योंकि राष्ट्रपति बाइडन का इरादा इस विषय में साफ है, कि अमेरिका चीन को सभी क्षेत्रों में कड़ी टक्कर देगा. के विषय में बाइडन ने पारदर्शिता पर जोर दिया ताकि भविष्य में बीमारियों को फैलने से रोका जा सके. मतलब साफ था कि चीन इस महामारी की उत्पत्ति और फैलाव में अपनी भूमिका को लेकर अभी भी सहयोग नहीं कर रहा है.

अमेरिका कहता रहा है कि चीन को उड्ड्प्र्ा-19 की उत्पत्ति की जांच करने वाले अंतरराष्ट्रीय जांच में पूरा सहयोग देना चाहिए. दोनों नेताओं ने उन विषयों पर भी बात की जिनमें अमेरिका और चीन सहयोग कर सकते है, मसलन जिस पर चीन ने अमेरिका से सहयोग के लिए ग्लास्गो में पहले ही हामी भर दी है.अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विदेश नीति और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में उसे चीन के साथ विचार और अगर हो सके तो सहमति की कोशिश करनी पड़ेगी. अमेरिका मानता है कि उसे सबसे ज्यादा परेशान करने वाले दो देश उत्तरी कोरिया और ईरान हैं. यह महज संयोग नहीं है कि इन दोनों के संबंध चीन से लगातार घनिष्ठ होते जा रहे हैं. चाहे व्यापार हो, सेमी कंडक्टर चिप्स की उपलब्धता, सैनिक आक्रामकता या शिनजियांग के वीघर लोगों के मानवाधिकार, चीन से अमेरिका के संबंधों के लिए ये सभी एक चैलेंज है. राष्ट्रपति बाइडन ने बातचीत में शी से कहा कि दोनों नेताओं को विभिन्न विषयों पर कुछ लाइनें खींचनी पड़ेंगी ताकि जब ये दोनों देश किन्हीं विषयों पर असहमत हों तब भी आपसी समझबूझ बनी रहे और जिन विषयों में सहमति बने उनमें अच्छे से कामकाज हो. बाइडन ने कहा दोनों नेताओं में ऐसी समझ होनी चाहिए कि किसी को यह न सोचना पड़े कि सामने वाला सोच क्या रहा है. समस्या यह है कि चीन में सत्ता पर शी जिनपिंग की पकड़ अभी बहुत मजबूत है. इतनी मजबूत कि पिछले हफ्ते ही उन्हें कम्युनिस्ट चीन के जनक, माओ जे दोंग, के समकक्ष दर्जा मिल गया है. ऐसी स्थिति में वे अमेरिका से बातचीत में बहुत लचीला रुख अपनाएंगे ऐसा लगता नहीं है. दोनों नेताओं की वर्चुअल बैठक एक अच्छी शुरूआत जरूर है .

यूपी में चुनाव से पहले 15 लाख ग्रामीणों को घरौनी वितरण की तैयारी

प्रधानमंत्री खुद देंगे स्वामित्व प्रमाणपत्र

लखनऊ। चुनावी साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों प्रदेश के 10,500 से ज्यादा गांवों के निवासियों को उनकी आवासीय संपत्तियों के स्वामित्व प्रमाणपत्र (ग्रामीण आवासीय अभिलेख/घरौनी) बंटवाने की तैयारी है। पिछले साल 11 अक्टूबर को प्रदेश के 346 गांवों में घरौनी वितरण का शुभारंभ करने वाले प्रधानमंत्री ने बीते सितंबर में संयुक्त राष्ट्र आम सभा को संबोधित करते हुए भारत के ग्रामीणों को प्रापर्टी कार्ड वितरण का उल्लेख किया था।

ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति के मालिकाना हक के अभिलेख मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार का पंचायती राज मंत्रालय स्वामित्व योजना संचालित कर रहा है। योजना के तहत गांवों के आबादी क्षेत्र का ड्रोन के जरिये हवाई सर्वेक्षण कराकर उसके आधार पर तैयार किये गए ग्रामीण आवासीय अभिलेख लोगों को दिए जा रहे हैं। प्रदेश के 82913 गांव योजना के तहत ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण के लिए अधिसूचित किये जा चुके हैं। प्रदेश के 39,514 गांवों में ड्रोन के जरिए हवाई सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। जिन गांवों में हवाई सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है, उनमें से 12,526 गांवों के 17,63,739 घरों की घरौनी तैयार की जा चुकी है। इनमें से 2006 गांवों के 2.74 लाख घरों के मालिकों को पूर्व में घरौनी बांटी जा चुकी है।

अब 10,500 से ज्यादा गांवों के 14.89 लाख आवासों के स्वामियों को घरौनी वितरण होना है। स्वामित्व योजना में उप्र का प्रदर्शन अन्य राज्यों से बेहतर रहा है। लिहाजा प्रधानमंत्री के हाथों 10,500 गांवों के निवासियों को घरौनी वितरण कराकर चुनावी साल में इसका सियासी लाभ लेने की मंशा है। फिलहाल प्रधानमंत्री के हाथों घरौनी वितरण की तारीख अभी तय नहीं है।

बिहार में राजस्व अधिकारियों का बढ़ेगा काम, गाड़ी भी मिलेगी, प्रोन्नत होकर बनेंगे सीओ

पटना : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के लिए अनुशंसित बिहार राजस्व सेवा के 478 अधिकारियों को नियुक्ति-पत्र दिया गया। बुधवार को एक समारोह में विभागीय मंत्री रामसूरत राय ने कहा कि राजस्व अधिकारियों के कामकाज का विस्तार हो रहा है। जल्द ही उन्हें दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) का भी अधिकार दिया जाएगा। अंचलाधिकारी (सीओ) के कुछ और अधिकार कम होंगे, जो राजस्व अधिकारी के कार्यक्षेत्र में जुड़ जाएंगे। सरकार इन अधिकारियों को किराये पर गाड़ी भी देगी। अच्छा काम करने वाले राजस्व अधिकारियों को सीओ बनाया जाएगा। मंत्री ने नए अधिकारियों में से कुछ को नियुक्ति-पत्र दिया। कहा कि हर स्तर के जन-प्रतिनिधियों का सम्मान करें।रामसूरत राय ने कहा कि मंत्री के रूप में उनका एक साल का कार्यकाल पूरा हुआ। कर्मियों की कमी खत्म होने जा रही है। इसलिए अधिकारी और कर्मचारी पूरी क्षमता से जनता की सेवा करें। महीने भर के प्रशिक्षण में अधिकारी मन लगाएं। जमीन से जुड़े कानून और व्यवहार को सीखने की कोशिश करें। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व अधिकारी विभाग की पूरी जानकारी रखें। जानकारी नहीं रहेगी तो दलाल के फेर में फंसेंगे। व्यवहार और काम से ही छवि बनती है। नए राजस्व अधिकारियों की पहली पोस्टिंग हलका कर्मचारी के रूप में होगी। यह काम उन्हें तीन से छह महीने तक करना होगा।

युवा कार्यकताओं को भाजपा बताएगी मोदी सरकार ने कैसे बदली देश की तस्वीर

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी अपने युवा कार्यकताओं को बताएगी कि मोदी सरकार ने पिछले सात सालों में देश की तस्वीर कैसे बदली, भारत कैसे नए युग में प्रवेश कर रहा है। दिसंबर के पहले सप्ताह में तीन दिन के लिए आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न सत्रों में युवा कार्यकताओं को इसकी जानकारी दी जाएगी। यह आवासीय शिविर होगा। पार्टी की मंशा है कि युवा कार्यकर्ता यहां मिले संदेश को जनता के बीच रखें। दरअसल, जनजातीय जनजाति गौरव दिवस के बाद पार्टी प्रदेश के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक अपने युवा कार्यकताओं के माध्यम से प्रदेश के साथ ही मोदी सरकार की भी उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार चाहती है। आदिवासी क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता पहले से सक्रिय हैं, लेकिन उनका फोकस आदिवासियों को हिंदू धर्म से जोड़ना और उन्हें मतांतरण से रोकना है।

राजनाथ सिंह ने झांसी में राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व का किया शुभारंभ

बोले- हमारी सेना में महिलाओं का योगदान बढ़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई के जन्मोत्सव का झांसी जलसा बुधवार से शुरू हो गया है। इस तीन दिवसीय राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व और सेना की शस्त्र प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत इस तीन दिवसीय राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व के शुभरंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेना में महिलाओं के लिए दरवाजे खोले जा रहे हैं। हमारी सरकार ने सेना के तीनों अंगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है। सैनिक स्कूलों में बच्चों का को-एडमिशन भी दिया जा रहा है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद महिलाओं को राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर नहीं मिला। लेकिन अब स्थिति तेजी से बदल रही है। पीएम नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से हमारी सेना में महिलाओं का योगदान बढ़ रहा है। पुणे में मौजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान नेशनल डिफेंस एकेडमी में महिलाओं के लिए दरवाजे खोले गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों में महिलाएं सेना में स्थायी कमीशन की मांग कर रही थीं। सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया गया है। अब योग्य और मेरिट के आधार पर महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन दिए जाने की व्यवस्था बनी है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था, जब देश 65 से 70 फीसदी रक्षा साम्रगी आयात होती थी। आज तस्वीर बदल गई है। हमने तय किया है, चाहे स्थिति कैसी भी हो, 64 फीसदी तक दुनिया के दूसरे देशों से आयात नहीं करेंगे।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

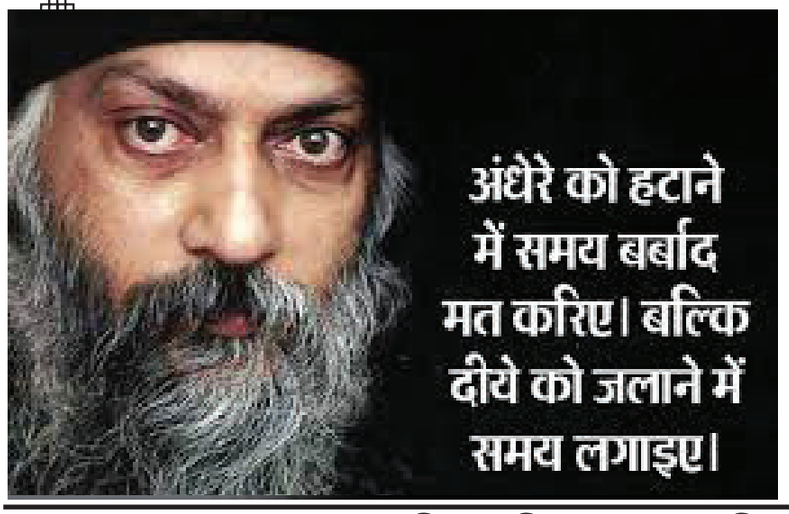

धन बड़ी गहरी हिंसा से पैदा होता है। वह गहन शोषण है। धन पर रक्त के चिन्ह तो हैं ही। उससे धन मुक्त हो नहीं सकता। वह किसी से छीना गया है। किसी के साथ जबर्दस्ती की गई है। किसी को मिटाया गया है। चाहे मिटाने के ढंग कितने ही परिष्कृत क्यों न हों। मिटानेवाले को भी पता न चलता हो, मिटनेवाले को भी पता न चलता न हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन धन पर खून के धब्बे हैं। इसलिए कृपण के चेहरे पर भी धब्बे आ जाएंगे। और कृपण के चेहरे से तुम लार टपकती हुई देखोगे। वह हमेशा वस्तुओं के लिए दीवाना है, पागल है। उसे वस्तुएं ही दिखाई पड़ती हैं। और कुछ दिखाई नहीं पड़ता। संसार उसके लिए, व्यक्तियों का महोत्सव नहीं, केवल वस्तुओं का बाजार है। खरीदना है, इकट्ठा करना है, मर जाना है। जीना नहीं है। कृपण जीता नहीं, केवल जीने की तैयारी करता। है कभी पूरी नहीं होती। जीने का भी मौका नहीं आता। सिर्फ समायोजन करता है कि कभी जीएंगे। जीने को स्थगित करता है, पोस्टपोन करता है। **जारी....**

रोजाना तुलसी की चाय पीने के फायदे और नुकसान

कार्तिक के महीने में तुलसी के पौधे के पास आपको एक दीया जलता नजर आया होगा। तुलसी ना केवल पवित्र पौधे के रूप में पूजी जाती है बल्कि इसके औषधीय गुण इसको शक्तिशाली भी बनाते हैं। बता दें कि तुलसी के अंदर एंटीवायरस, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल, एंटी इन्फ्लेमेटरी, विटामिन ए, विटामिन सी, फास्फोरस, कैल्शियम आदि महत्वपूर्ण तत्व पाए जाते हैं जो सेहत को कई समस्याओं से दूर रख सकते हैं। लेकिन आज हम बात कर रहे हैं तुलसी की चाय की। तुलसी की चाय के सेहत को कई समस्याओं से बचाया जा सकता है। जी हां, आज का हमारा लेख भी इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे के तुलसी की चाय के सेवन से सेहत को क्या-क्या फायदे होते हैं। साथ ही इसके नुकसान और घर पर कैसे बनाएं तुलसी की चाय, इसके बारे में भी जानेंगे। इसके लिए हमने न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट वरुण कत्याल (से भी बात की है। पढ़ते हैं आगे... 1 - उच्च रक्तचाप की समस्या से राहत उच्च रक्तचाप की समस्या को दूर करने में भी तुलसी आपके बेहद काम आ सकती है। इससे संबंधित एक रिसर्च

भी सामने आई है, जिससे यह पता चलता है कि तुलसी के अंदर पोटेशियम पाया जाता है जो रक्तचाप को कम करने में उपयोगी है। इसके अलावा तुलसी में एंटी हाइपरटेंसिव गतिविधियां भी मौजूद होती हैं जो सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर को कम करने में बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। रिसर्च पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें... पाचन क्रिया को तंदुरुस्त बनाने में तुलसी आपके बेहद काम आ सकती है। आज के समय में लोग गलत खान-पान के कारण पाचन क्रिया की कई समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में तुलसी की चाय के सेवन से न केवल मल त्यागने की प्रक्रिया आसान होती है बल्कि गैस की समस्या, दस्त की समस्या, पेट में ऐठन की समस्या, कब्ज की समस्या आदि से भी छुटकारा मिल सकता है। बेहतर नींद के लिए तुलसी आपके बेहद काम आ सकती है। आज के समय में लोग तनाव और गलत जीवनशैली के कारण नींद की समस्या का सामना करते हैं। ऐसे में बता दें कि अच्छी नींद के लिए तुलसी की चाय बेहद उपयोगी है। तुलसी की चाय के अंदर एंटी डिप्रेशन और एंटी स्ट्रेस गुण पाए जाते हैं जो

कपिल शर्मा ने फिर लिया अक्षय कुमार से पंगा

द कपिल शर्मा शो में हर हफ्ते धमाल मचाने के लिए सेलेब्स आते हैं. शो में सेलेब्स अपनी फिल्म और वेब सीरीज के प्रमोशन के लिए आते हैं. इस हफ्ते कपिल के शो में बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी आने वाली फिल्म धमाका के प्रमोशन के लिए आएंगे.धमाका के प्रमोशन के लिए कार्तिक के साथ उनकी फिल्म की लीड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और अमृता सुभाष भी आएंगी. कपिल कार्तिक के साथ ढेर सारी मस्ती करते हुए नजर आएंगे. द कपिल शर्मा शो का नया प्रोमो सामने आया है. जिसमें कपिल कार्तिक की तारीफ कर रहे हैं.प्रोमों में कपिल कहते हैं कि कार्तिक उनके फुटस्टेप फॉलो कर रहे हैं. उन्होंने कहा-किस-किस को प्यार करुं में मेरी तीन पत्नियां थीं जिसके बाद आपने पति-पत्नी और वो की. मैंने नेटफ्लिक्स पर शो अनाउंस किया तो आप नेटफ्लिक्स पर फिल्म लेकर आ गए. क्या आपने सोच रहा है कि आप सिर्फ टॉप सेलेब्रिटीज को ही फॉलो करेंगे.

अक्षय कुमार से फिल्म छीनने पर की तारीफ कपिल कहते

हैं कि कार्तिक के एक काम से मुझे बहुत खुशी हुई. मैंने एक बार एड फिल्म की थी वो अगले साल अक्षय पाजी ने छीन ली. अक्षय पाजी का तो आपको पता है उन्होंने काम छीनने में थ्री ईयर कोर्स किया हुआ है. ये पहला बंदा है जिसने अक्षय कुमार की फिल्म छीन ली. जिसके बाद सब हंसने लगते हैं. कार्तिक आर्यन कहते हैं कि मैं तो उन एक्टर्स को ढूंढ रहा हूं जो मेरे प्रोड्यूसर्स को कह रहे हैं 100-50 कम ले लो लेकिन कार्तिक की फिल्म हमे दे दो आपको बता दें कार्तिक आर्यन अक्षय कुमार की फिल्म भूल भूलैया के सीक्वल में नजर आने वाले हैं.

सौरव गांगुली बोले, राहुल द्रविड़ और वीवीएस

लक्ष्मण के आने से भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में

नई दिल्ली। आइसीसी टी20 विश्व कप के बाद भारतीय क्रिकेट में एक नए दौर का आगाज हुआ है। रोहित शर्मा को टीम इंडिया के तौर पर नया टी20 कप्तान मिला और राहुल द्रविड़ मुख्य कोच बने। विराट कोहली ने टी20 विश्व कप से पहले ही पद छोड़ने की घोषणा कर दी थी। वहीं रवि शास्त्री का कार्यकाल खत्म हो गया। द्रविड़ की जगह एनसीए की कमान वीवीएस लक्ष्मण को दी गई है।अपने पूर्व साथी खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की भारतीय क्रिकेट के दो प्रभावी पदों पर नियुक्ति के बाद बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है। द्रविड़ को भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया है जबकि लक्ष्मण राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख होंगे। गांगुली ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मुख्य कोच और एनसीए प्रमुख के पद पर उनकी नियुक्ति हुई है। भारतीय क्रिकेट में ये दोनों काफी महत्वपूर्ण पद हैं। यह पूछने पर कि दोनों को राजी करना कितना मुश्किल था, गांगुली ने कहा, ह्यउन्हें कहा गया कि यह महत्वपूर्ण है और

वे तैयार हो गए। भारतीय क्रिकेट अब सुरक्षित हाथों में है। वे भारतीय क्रिकेट के लिए यह करना चाहते हैं।ह्ल गावस्कर ने कहा, ह्यजब वह खेला करते थे तो हम सोचते थे कि जब तक राहुल द्रविड़ क्रीज पर हैं, भारतीय बल्लेबाजी सुरक्षित और मजबूत है। इसलिए मेरा मानना है कि मुख्य कोच की नई जिम्मेदारी भी वह इसी तरह से निभाने में सक्षम होंगे।90 के दशक में भारतीय टीम के लिए राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण ने सौरव गांगुली के साथ मिलकर कई यादगार पारियां खेली है। द्रविड़ और गांगुली ने टीम इंडिया की कप्तानी लंबे समय तक की है। 2001 कोलकाता टेस्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ फालोआन होने के बाद जीत हासिल कर भारतीय टीम ने टेस्ट मैच जीता था।

इस मैच में द्रविड़ और लक्ष्मण ने 376 रन की साझेदारी निभाई थी। लक्ष्मण ने करियर की सबसे बड़ी 281 रन की पारी खेली थी। वहीं द्रविड़ ने 180 रन बनाए थे।

पहले हांगकांग और अब न्यूजीलैंड की तरफ खेलते हुए इस बल्लेबाज ने जमाया अर्धशतक, बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम बिना नियमित कप्तान केन विलियमसम के खेलने उतरी। टिम साउथी की कप्तानी में टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 164 रन का स्कोर खड़ा किया। इस मैच में पहले मार्क चैपमैन और इसके बाद मार्टिन गुप्टिल ने अर्धशतक जमाया। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी कीवी टीम के लिए चैपमैन की

पारी बेहद यादगार रही। इस मैच में 63 रन बनाकर आउट होने बाद भी उन्होंने एक ऐसा कमाल कर दिया जो आजतक टी20 में किसी ने नहीं किया था। चैपमैन टी20 इंटरनेशनल में दो अलग-अलग देश की तरफ से खेलते हुए अर्धशतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बने। भारत के खिलाफ 63 रन की पारी खेलने वाले इस बल्लेबाज ने 6 चौके और 2 छक्के जमाए। यह टी20 इंटरनेशनल में चैपमैन का दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने हांगकांग की टीम की तरफ से खेलते हुए हाफ सेंचुरी लगाई थी। कमाल की बात यह है कि उस मैच में भी चैपमैन 63 रन की पारी ही खेली थी। हांगकांग की तरफ से खेलते हुए चैपमैन ने 41 गेंद पर 63 रन बनाए थे जिसमें उन्होंने 3 चौके और इतने ही छक्के जमाए थे। इस मुकाबले में उनकी टीम ने बाद में बल्लेबाजी की थी और वह नाबाद टीम को जीत दिलाकर मैदान से वापस लौटे थे।

भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी टूर्नामेंट खेलने, सवाल पर खेल मंत्री का आया जवाब

नई दिल्ली: इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को अगले सभी बड़े टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की घोषणा की। इसमें वनडे और टी20 विश्व कप के साथ चैंपियंस ट्राफी को लेकर भी जानकारी दी गई। साल 2025 में होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को देने का फैसला लिया गया है। इस घोषणा के बाद से सही सवाल सामने आ रहा है कि क्या भारत इस टूर्नामेंट में भाग लेने पाकिस्तान जाएगा।

भारतीय बल्लेबाज ने बताया, न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कैच

छोड़कर मेरी बीवी को दिया जन्मदिन का गिफ्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरूआत जीत के साथ की। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। न्यूजीलैंड ने 6 विकेट के नुकसान पर 20 ओवर में 164 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारत ने 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। सूर्यकुमार ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और उनको प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मैच के बाद सूर्या ने कहा, मैंने कुछ भी अलग करने की कोशिश नहीं की है,

बस वही कर रहा हूं जो पिछले तीन चार साल से लगातार करता रहा हूं। मैं जिस तरह से नेट्स में बल्लेबाजी करता हूं वैसे ही मैदान पर जाकर करता हूं। मैं जब नेट्स में प्रैक्टिस करता हूं तो खुद को काफी दबाव में रखता हूं। जैसे कि उदाहरण बताता हूं जब कभी भी आउट हो जाता हूं तो यही सोचता हूं कि आखिर मै कैसे बेहतर कर सकता था और कोशिश रहती है कि वहां ठीक करूं। इस चीज को करने से मुझे वाकई फायदा मिलता है और मैं मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर पता हूं। सूर्यकुमार ने जयपुर टी20 में 40 गेंद पर 6 चौके और 3 छक्के जमाते हुए 62 रन की पारी खेली। 57 रन के स्कोर पर ट्रेंट बोल्ट ने उनका कैच छोड़ा था जिसको लेकर मैच खत्म होने के बाद उन्होंने बात भी की। इस बात पर चुटकी लेते हुए सूर्य ने इसे बोल्ट की तरफ से पत्नि के लिए जन्मदिन का गिफ्ट बताया। ओस के आने की वजह से आज गेंद बल्ले पर काफी अच्छे से आ रही थी और बाद में यह काफी धीमा हो गया था।

टीकाकरण के लिए जागरूकता लाने के अब उद्धव सरकार,सलमान खान की मदद लेगी

मुंबईः महाराष्ट्र में राज्य सरकार के अवेयरनेस कैम्पेन के बावजूद मुस्लिम इलाकों में टीकाकरण करवाने वालों की संख्या नहीं बढ़ रही थी। अब राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने ह्यभाईजानह्ल यानी सलमान खान की हेल्प लेने का मन बनाया है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि सरकार बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की मदद लेगी, ताकि लोगों को टीका लगवाने के लिए राजी किया जा सके।टोपे ने कहा, ह्यमुस्लिम बहुल इलाकों में अब भी कुछ हिचकिचाहट है। हमने मुस्लिम समुदाय को टीका लगवाने के लिए राजी करने के लिए सलमान खान और धार्मिक नेताओं की मदद लेने का फैसला किया है। धार्मिक नेताओं और फिल्म अभिनेताओं का बहुत प्रभाव होता है और लोग उन्हें सुनते हैं।ह्लवैक्सीन को लेकर गलतफहमी दूर करना जरूरी

टोपे ने कहा कि वैक्सीन लगाने के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में टीकाकरण की गति कम है। लोगों के मन में वैक्सीन को लेकर जो आशंकाएं हैं, वे निराधार हैं। एक धार्मिक व्यक्ति को वैक्सीन की जरूरत नहीं है या वैक्सीन उनके लिए हितकारी नहीं है, यह सोचना एक अंधविश्वास और अज्ञानता है। इसे दूर किया जाना जरूरी है. इसके लिए जनता को जागरुक करना जरूरी है।राज्य में 10.25 करोड़ लोगों का हुआ टीकाकरण

टोपे ने कहा कि राज्य में अब तक 10.25 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज दिए जा चुके हैं और नवंबर के अंत तक सभी पात्र व्यक्तियों को कम से कम पहली खुराक मिल जाएगी। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बारे में, टोपे ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार महामारी का चक्र सात महीने का होता है, लेकिन बड़े पैमाने पर टीकाकरण के कारण, अगली लहर गंभीर नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए और टीका लगवाना चाहिए।

दो डोज के बीच के समय कम करने का प्रस्ताव

महाराष्ट्र में वैक्सीन की दूसरी डोज ले चुके लोगों की संख्या करीब 35% है। यानी वैक्सीन लेने के योग्य 35% लोगों को दूसरी डोज मिल चुकी है। टोपे ने कहा कि अगर इस आंकड़े में सुधार करना है और वैक्सीनेशन की मुहिम को रफ्तार देनी है तो कोवीशील्ड वैक्सीन की दो डोज के बीच अंतर को कम करना जरूरी है। महाराष्ट्र ने केंद्र सरकार को यह प्रस्ताव दिया है। उन्होंने बताया कि वे अपनी यह राय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को भी दे चुके हैं। टोपे ने कहा कि कोवैक्सीन की दो डोज में अंतर 28 दिनों का है जबकि कोवीशील्ड वैक्सीन की दो डोज में अंतर 84 दिनों का है। इस अंतर को कम किया जा सकता है क्या? इस बारे में विशेषज्ञों से बात करने की जरूरत है। इसमें कटऑफ और इस पर रिसर्च करने वाली अन्य संस्थाओं की राय अहम होगी।

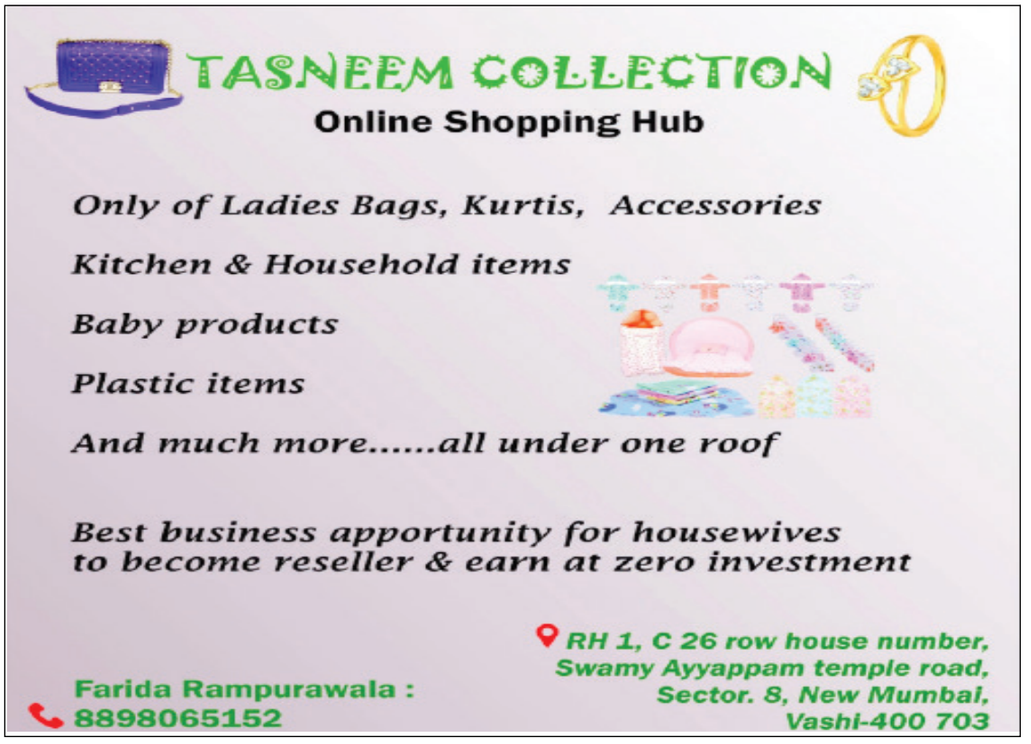

देशमुख के खिलाफ जांच प्रभावित करने की कोशिश कर रही महाराष्ट्र सरकार : सीबीआइ

मुंबईः सीबीआइ ने बुधवार को बांबे हाई कोर्ट से कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार की जांच को प्रभावित करने के लिए बेशर्मी से कोशिश कर रही है। सीबीआइ ने हाई कोर्ट को यह भी बताया कि राज्य सरकार इस मामले में मुख्य सचिव सीताराम कुंते और वर्तमान पुलिस महानिदेशक संजय पांडेय को जारी समन रद करने की मांग भी कर रही है। सोमवार को ही देशमुख को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। मनी लांड्रिंग मामले में देशमुख को ईडी ने एक नवंबर को गिरफ्तार किया था। बांबे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एचएस सतभाई का तत्काल प्रभाव से यवतमाल जिले में स्थानांतरण कर दिया है। जस्टिस सतभाई

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net